<u>विषय– संगीत (वादन)</u>

(कक्षा–9)

संगीत वादन पाठ्यक्रम दो भागों में क्रमशः प्रथम भाग अवनद्ध वाद्य (तबला एवं पखावज) तथा द्वितीय भाग तत् वाद्यों सहित अन्य वाद्य लेने वाले विद्यार्थीयों के लिये निर्धारित है–

<u>प्रथम भाग– अवनद्ध भाग (तबला एवं पखावज) हेतु</u>

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न.पत्र तीन घंटे का होगा। तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट/आन्तरिक मूल्यांकन कार्य होगा।

खण्ड–क पूर्णांक– 100 अंक

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या– मात्रा, लय, खाली, ताली (भारी), सम, ताल, तिहाई, टुकड़ा, परन।

खण्ड–ख

संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन–

1–वादन पाठ्यक्रम के रागों की विशेषतायें–

2–तालों के टुकड़े, परन आदि लिखने तथा बजाने की योग्यता।

3– ठेके के कुछ बोलों के आधार पर तालों को पहचानने की योग्यता।

4–अमीर खुशरू एवं भातखण्डे की जीवनी, तबला, पखावज या मृदंग में से कोई एक वाद्य ले सकता है।

5–तबला और पखावज–(अपने वाद्यों के अंगों का सचित्र वर्णन तथा मिलाने की विधि का ज्ञान)–

(1) तीनताल, एकताल, झपताल में से प्रत्येक में दो कायदा, दो टुकड़े और दो तिहाइयाँ लिखने तथा बजाने की योग्यता।

(2) दादरा, रूपक एवं सूलताल तालों के साधारण ठेके तथा उनकी दुगुन में ताली देकर बोलने का अभ्यास।

(3) तीनताल, झपताल, दादरा, एकताल से परिचित होना चाहिये।

(4) भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण।

नोट :–उपर्युक्त निर्धारित रागों एवं तालों की आन्तरिक प्रयोगात्मक परीक्षा होगी। जिसके लिये 15 अंक निर्धारित किये गये हैं तथा 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिये हैं। इनका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

प्रोजेक्ट कार्य

नोट :– किन्हीं तीन का चयन कर प्रोजेक्ट तैयार कीजिये।

1–अपने वाद्य को सचित्र चार्ट द्वारा प्रदर्शित कीजिये।

2–हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के किसी प्रसिद्ध संगीतज्ञ के सगीत में दिये योगदान को वर्णित कीजिये।

3–खुले बोल व बन्द बोलों की तालों को उदाहरण सहित अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखिये।

4–वाद्यों के वर्गीकरण को समझाते हुये प्रत्येक प्रकारों के कुछ चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइये।

5–अपने वाद्य की परम्परा को बताते हुये किसी प्रसिद्ध घराने की चर्चा कीजिये।

6–उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रसिद्ध कलाकारों की सूची बनाकर उनको दिये जाने वाले पुरस्कार व क्षेत्र को बताइये।

7–किसी महान संगीतज्ञ का चित्र बनाकर संक्षिप्त जीवन परिचय चार्ट के माध्यम से दीजिये।

8–किसी संगीत समारोह का आँखों देखा हाल अपने शब्दों में वर्णित कीजिये।

9–संगीत के किसी एक वाद्य का मॉडल बनाइये।

10–शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रसिद्ध वाद्यों के चित्र एकत्रित कर उन्हें बजाने वाले कलाकारों के नाम चित्र सहित सम्मुख लगाइये।

द्वितीय भाग–(तत् वाद्यों सहित अन्य वाद्य) हेतु

(सितार, सरोद, सारंगी, इसराज अथवा दिलरूबा, वायलिन, बाँसुरी, गिटार आदि)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न पत्र 3 घण्टे का होगा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन (प्रोजेक्ट/लिखित प्रयोगात्मक) कार्य किया जायेगा।

खण्ड–क **पूर्णांक–100**

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या–

संगीत, श्रुति, थाट, पकड़, जमजमा

स्वर (शुद्ध एवं विकृत), आलाप, राग, आरोह, अवरोह, वादी, संवादी, तोड़ा, मात्रा, लय, खाली, ताली, सम, तिहाई।

संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन–

1– चयनित वाद्य के अंगों का सचित्र वर्णन एवं वाद्य मिलाने की विधि। जीवनी– अमीर खुसरो, पं0 विष्णु भातखण्डे।

2– भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण।

3– गति की परिभाषा एवं प्रकारों का अध्ययन।

4– स्वर समूहों के माध्यम से रागों को पहचानने की योग्यता।

5– वादन पाठ्यक्रम के रागों की विशेषतायें– स्वर विस्तार एवं अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त।

6– गत को लिपिबद्ध करने की योग्यता (सरल स्वर विस्तार एवं तोड़ों के साथ)

7– राग यमन एवं खमाज राग का विस्तृत अध्ययन।

8– राग विलावल एवं असावरी राग का सामान्य अध्ययन।

9– तालें–झपताल, ताल दादरा, कहरवा, ताल एक ताल का ज्ञान।

10– भूपाली राग में आरोह, अवरोह, पकड़ लिखने की योग्यता।

नोट– उपर्युक्त निर्धारित रागों की आन्तरिक परीक्षा विद्यालय स्तर पर होगी।

प्रोजेक्ट कार्य

नोट :– किन्हीं तीन का चयन कर प्रोजेक्ट तैयार कीजिये।

1–अपने वाद्य को सचित्र चार्ट द्वारा प्रदर्शित कीजिये।

2–हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के किसी प्रसिद्ध संगीतज्ञ के सगीत में दिये योगदान को वर्णित कीजिये।

3–खुले बोल व बन्द बोलों की तालों को उदाहरण सहित अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखिये।

4–वाद्यों के वर्गीकरण को समझाते हुये प्रत्येक प्रकारों के कुछ चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइये।

5–अपने वाद्य की परम्परा को बताते हुये किसी प्रसिद्ध घराने की चर्चा कीजिये।

6–उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रसिद्ध कलाकारों की सूची बनाकर उनको दिये जाने वाले पुरस्कार व क्षेत्र को बताइये।

7–किसी महान संगीतज्ञ का चित्र बनाकर संक्षिप्त जीवन परिचय चार्ट के माध्यम से दीजिये।

8–किसी संगीत समारोह का आँखों देखा हाल अपने शब्दों में वर्णित कीजिये।

9–संगीत के किसी एक वाद्य का मॉडल बनाइये।

10–शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रसिद्ध वाद्यों के चित्र एकत्रित कर उन्हें बजाने वाले कलाकारों के नाम चित्र सहित सम्मुख लगाइये।

11– चलठाठ व अचलठाठ के सितार को समझाये।

<u>शैक्षिक सत्र 2023–24 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन</u>

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा– (प्रोजेक्ट कार्य)	**अगस्त माह**	**10 अंक (5+5)**
2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा–(प्रोजेक्ट तथा परीक्षा)	**दिसम्बर माह**	**10 अंक (5+5)**
3–चार मासिक परीक्षाएं		**10 अंक**

- प्रथम मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) मई माह
- द्वितीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) जुलाई माह
- तृतीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) नवम्बर माह

- चतुर्थ मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) दिसम्बर माह

  चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।